# प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं.55/2025)

## भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 2025

तुरंत जारी करने हेतु    वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

**वर्ष 2024-25 के लिए "भारतीय दूरसंचार सेवा वार्षिक प्रदर्शन संकेतक"**

आज भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण ने वर्ष **2024-25** के लिए "भारतीय दूरसंचार सेवा - वार्षिक प्रदर्शन संकेतक" रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा **1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025** की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ-साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहाँ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की वेबसाईट **www.trai.gov.in** और लिंक http://www.trai.gov.in/release-publication/reports/performance-indicators-reports पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए श्री विजय कुमार, सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली से दूरभाष-+91-20907773 एवं ई-मेल advfea1@trai.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

अतुल चौधरी 8/7/25

**(अतुल कुमार चौधरी)**
**सचिव, भा.दू.वि.प्रा.**

## कार्यकारी सारांश

1. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या 1.54% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ मार्च-24 के अंत में 954.40 मिलियन से बढ़कर मार्च-25 के अंत में 969.10 मिलियन हो गई। मार्च-25 के अंत में कुल 969.10 मिलियन इंटरनेट ग्राहकों में से ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 944.12 मिलियन और नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 24.98 मिलियन है।

**31 मार्च, 2025 तक इंटरनेट सब्बसक्रिप्शन की संरचना**

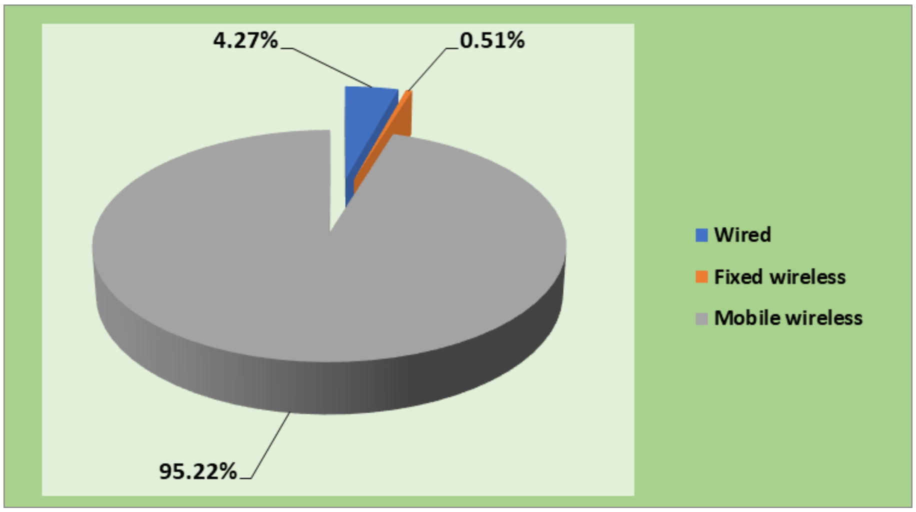


2. ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या मार्च-24 के अंत में 924.07 मिलियन से बढ़कर मार्च-25 के अंत में 944.12 मिलियन हो गई, जिसमें वार्षिक वृद्धि दर 2.17% थी। नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या मार्च-24 के अंत में 30.34 मिलियन से घटकर मार्च-25 के अंत में 24.98 मिलियन हो गई, जिसमें वार्षिक ह्रास की दर 17.66% थी।

3. 16.89% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ वायरलेस सेवा के लिए प्रति माह औसत राजस्व (एआरपीयू) 2023-24 के दौरान 149.25 रुपये से बढ़कर 2024-25 में 174.46 रुपये हो गया।

4. प्रीपेड सेवा के लिए प्रति माह औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) वर्ष 2023-24 के दौरान 146.37 रुपये से बढ़कर 2024-25 में 173.84 रुपये हो गया हालांकि

इसी अवधि के दौरान पोस्टपेड सेवा के लिए प्रति माह एआरपीयू 184.63 रुपये से घटकर 180.86 रुपये हो गया।

5. प्रति ग्राहक प्रति माह औसत उपयोग के मिनट (एमओयू) 3.91% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ वर्ष 2023-24 के दौरान 963 से बढ़कर 2024-25 में 1000 हो गए।

6. पोस्टपेड सेवाओं के लिए प्रति ग्राहक प्रति माह उपयोग के मिनट (एमओयू) वर्ष 2023-24 के दौरान 544 से घटकर 2024-25 में 503 हो गए। इसी अवधि के दौरान प्रीपेड सेवाओं के लिए एमओयू 997 से बढ़कर 1047 हो गए।

7. वायरलेस डेटा उपभोक्ताओं की संख्या 2.87% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ मार्च-24 के अंत में 913.34 से बढ़कर मार्च-25 के अंत में 939.51 मिलियन हो गई है। इसके अलावा, वायरलेस डेटा उपयोग की कुल मात्रा 17.46% की वार्षिक वृद्धि के साथ वर्ष 2023-24 के दौरान 1,94,774 पीबी से बढ़कर वर्ष 2024-25 के दौरान 2,28,779 पीबी हो गई।

8. वायरलेस डेटा उपयोग से कुल राजस्व वर्ष 2023-24 में 1,86,226 करोड़ रुपये से बढ़कर 15.49% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024-25 में 2,15,078 करोड़ रुपये हो गया।

9. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2025 के अंत में बढ़कर 1,200.80 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2024 के अंत में 1,199.28 मिलियन थी, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 0.13% की वृद्धि दर दर्ज की गई। देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 0.75% की ह्रास दर के साथ मार्च, 2024 के अंत में 85.69% से घटकर मार्च, 2025 के अंत में 85.04% हो गया।

10. मार्च, 2025 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में 0.11% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 666.11 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2024 के अंत में 665.38 मिलियन थी। हालांकि शहरी दूरसंचार घनत्व 1.70% की

वार्षिक ह्रास दर के साथ मार्च, 2024 के अंत में 133.72% से घटकर मार्च, 2025 के अंत में 131.45% हो गया।

11. मार्च, 2025 के अंत तक ग्रामीण क्षेत्रों में 0.15% की वार्षिक वृद्धि की दर के साथ दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 534.69 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2024 के अंत में 533.90 मिलियन थी। हालांकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व मार्च, 2024 के अंत में 59.19% से घटकर मार्च, 2025 के अंत में 59.06% हो गया।

**टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)**

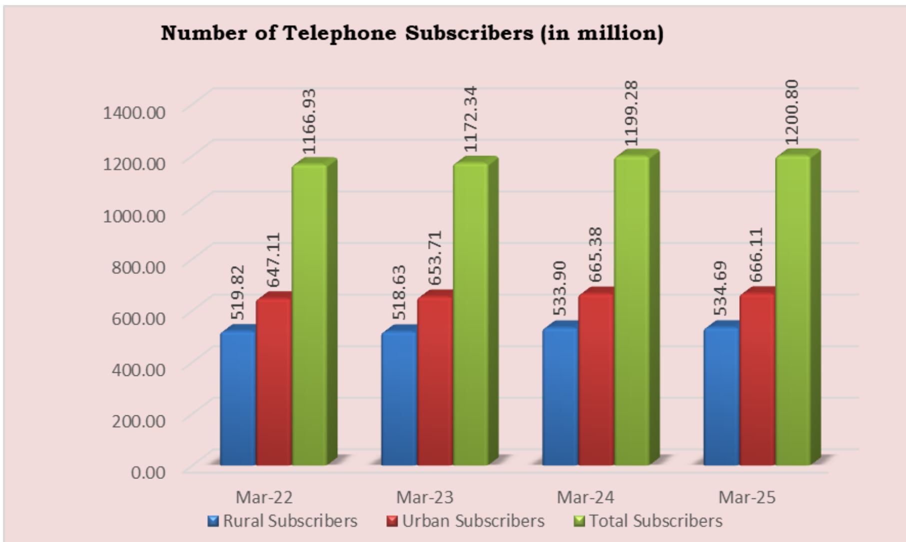


**दूरसंचार टेलीघनत्व का रूझान**

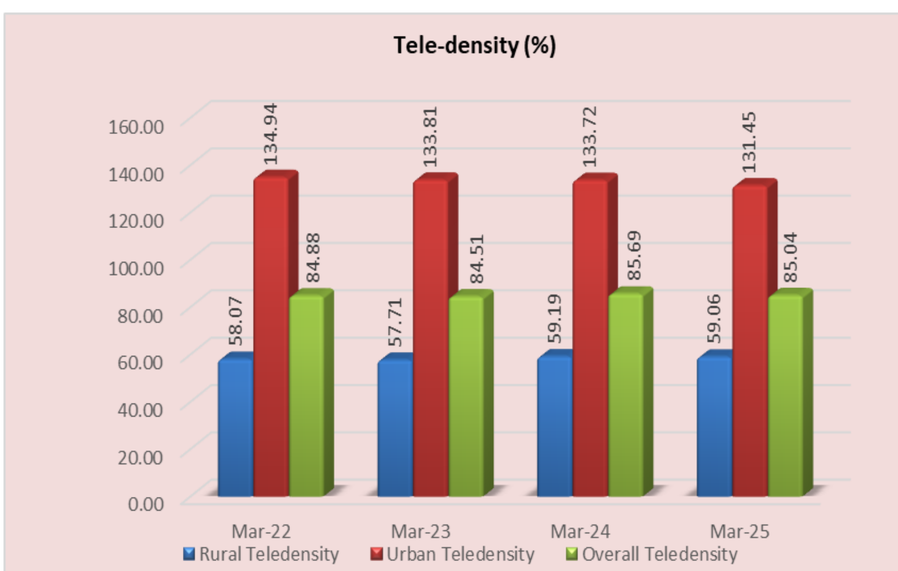

12. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी मार्च, 2025 के अंत तक बढ़कर 44.53% हो गई जो कि मार्च, 2024 के अंत तक 44.52% थी। निम्नलिखित चार्ट चार वर्षों का टेलीफोन ग्राहकों की ग्रामीण-शहरी बाजार हिस्सेदारी को दर्शाता है।

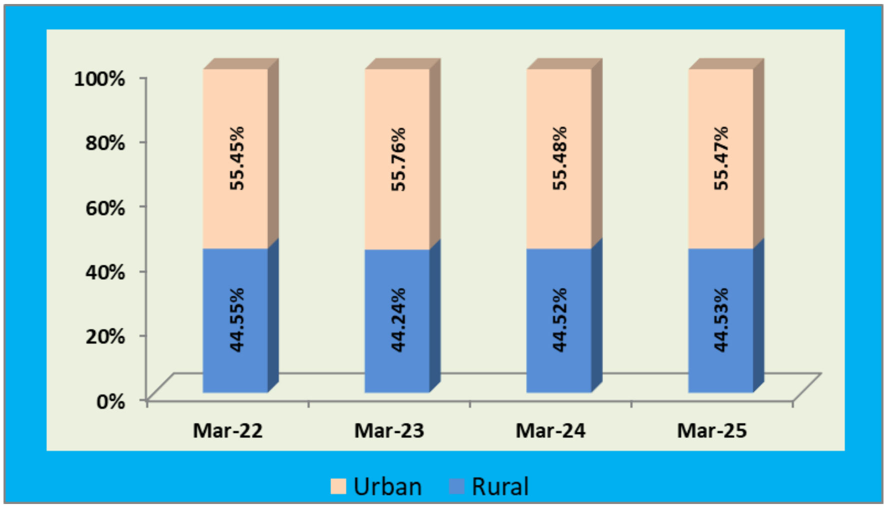


13. मार्च-25 के अंत में कुल 1,200.80 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं में से वायरलेस (मोबाइल+5जी एफडब्ल्यूए) टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,163.76 मिलियन और वायरलाइन टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 37.04 मिलियन थी। निम्नलिखित चार्ट भारत में वायरलेस और वायरलाइन उपभोक्ताओं की बाजार हिस्सेदारी को दर्शाता है

**वायरलेस और वायरलाइन सब्सक्राइबर्स के बाजार हिस्सेदारी की संरचना**

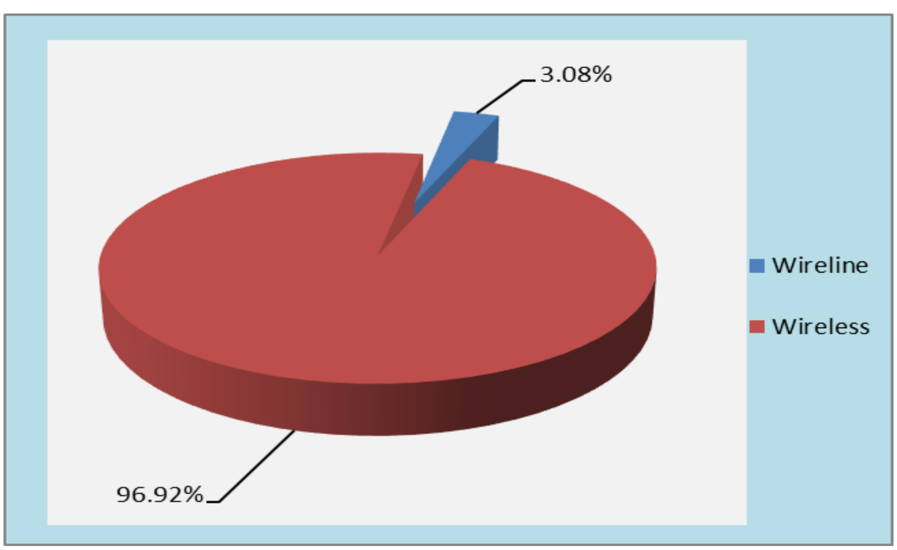

14. कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या मार्च-24 के अंत में 1,165.49 मिलियन (मोबाइल) से घटकर मार्च-25 के अंत में 1,163.76 मिलियन (मोबाइल+5जी एफडब्ल्यूए) हो गई, जिससे 0.15% की वार्षिक ह्रास दर देखी गई। वर्ष 2024-25 के दौरान 1.74 मिलियन वायरलेस उपभोक्ताओं की शुद्ध कमी हुई।

15. समग्र वायरलेस टेलीघनत्व मार्च-24 के अंत में 83.27% (मोबाइल) से घटकर मार्च-25 के अंत में 82.42% (मोबाइल+5जी एफडब्ल्यूए) हो गया। मार्च-25 के अंत में ग्रामीण वायरलेस टेलीघनत्व 58.87% से घटकर 58.67% हो गया और शहरी वायरलेस टेलीघनत्व भी 127.51% से घटकर 124.83% हो गया।

16. वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं की संख्या मार्च-24 के अंत में 1,165.49 मिलियन से घटकर मार्च-25 के अंत में 1,156.99 मिलियन हो गई, जिससे 0.73% की वार्षिक ह्रास दर देखी गई। वर्ष 2024-25 के दौरान 8.50 मिलियन वायरलेस उपभोक्ताओं की शुद्ध कमी हुई।

17. वायरलेस (मोबाइल) टेलीघनत्व मार्च-24 के अंत में 83.27% से घटकर मार्च-25 के अंत में 81.94% हो गया। मार्च-25 के अंत में ग्रामीण वायरलेस टेलीघनत्व 58.87% से घटकर 58.67% हो गया और शहरी वायरलेस टेलीघनत्व भी 127.51% से घटकर 123.99% हो गया।

18. 9.62% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ कुल वायरलाइन सब्बसक्राइबर बेस मार्च-24 के अंत में 33.79 मिलियन से बढ़कर मार्च-25 के अंत में 37.04 मिलियन हो गया।

19. समग्र वायरलाइन टेली-घनत्व मार्च-24 के अंत में 2.41% से बढ़कर मार्च-25 के अंत में 2.62% हो गया। इसी अवधि के दौरान ग्रामीण वायरलाइन टेली-घनत्व 0.32% से बढ़कर 0.39% हो गया और शहरी वायरलाइन टेली-घनत्व भी 6.21% से बढ़कर 6.62% हो गया।

20. सकल राजस्व (जीआर) 10.72% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ वर्ष 2023-24 में 3,36,066 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 3,72,097 करोड़ रुपये हो गया और लागू सकल राजस्व (एपीजीआर) इसी अवधि के दौरान 10.26% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 3,23,142 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,56,283/- करोड़ रुपये हो गया। समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) भी 12.02% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ वर्ष 2023-24 में 2,70,504 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 3,03,025 करोड़ रुपये हो गया।

21. पास थ्रू शुल्क 1.31% ह्रास के साथ वर्ष 2023-24 में 53,579 करोड़ रुपये से घटकर वर्ष 2024-25 में 52,879 करोड़ रुपये हो गया। सकल राजस्व के प्रतिशत के रूप में पास-थ्रू शुल्क 2024-25 में 14.21% रहा, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह 15.94% था।

22. वार्षिक स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) 13.02% की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2023-24 में 3,369 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 3,807 करोड़ रुपये हो गया और इसी अवधि के दौरान लाइसेंस शुल्क सालाना 12.02% की वृद्धि के साथ 21,642 करोड़ रुपये से बढ़कर 24,242 करोड़ रुपये हो गया।

**वर्ष 2024-25 के दौरान समायोजित सकल राजस्व की सेवावार संरचना**

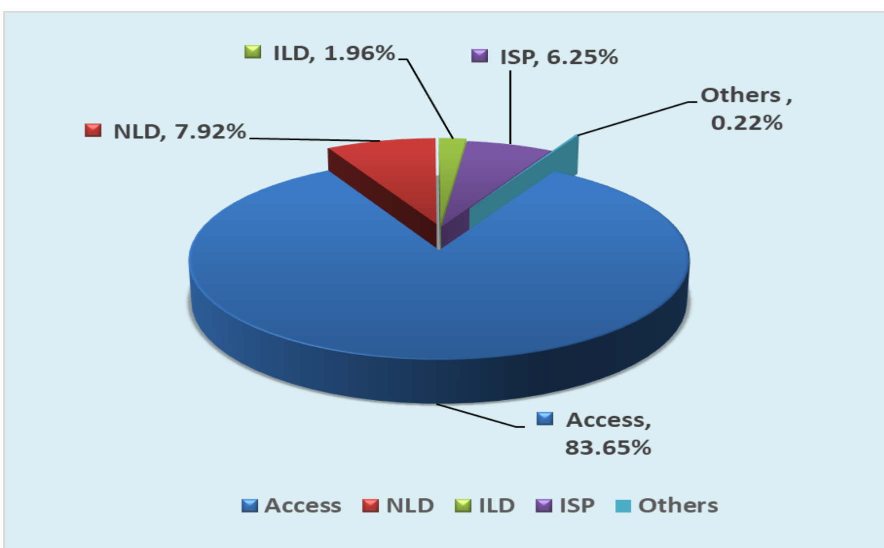

23. दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में एक्सेस सेवाओं का योगदान 83.65% था। एक्सेस सेवाओं में, वर्ष 2023-24 की तुलना में वर्ष 2024-25 में सकल राजस्व (जीआर), लागू सकल राजस्व (एपीजीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) में क्रमशः 13.77%, 12.88%, 15.52%, 15.57% एवं 13.11% की वृद्धि हुई। हालाँकि, इसी अवधि के दौरान पास थ्रू शुल्क में 1.98% की गिरावट हुई।

24. सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा 31.03.2025 तक कुल 918 निजी सैटेलाइट टीवी चैनलों को केवल अपलिंकिंग/केवल डाउनलिंकिंग/अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग दोनों के लिए अनुमति दी गई है। भारत में 918 अनुमत सैटेलाइट टीवी चैनलों में से 908 चैनल डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध हैं।

25. संशोधित टैरिफ आदेश दिनांक 3 मार्च 2017 के अनुसरण में प्रसारकों द्वारा की गई रिपोर्टिंग के अनुसार, भारत में डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध 908 अनुमत सैटेलाइट टीवी चैनलों में से 31 मार्च 2025 तक 333 सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं। 333 पे चैनलों में से 232 एसडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल और 101 एचडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं।

26. 31 मार्च, 2025 को समाप्त अवधि के दौरान, भारत में 4 पे डीटीएच सेवा प्रदाता थे। पे डीटीएच सेवा प्रदाताओं का 31 मार्च, 2024 तक 61.97 मिलियन उपभोक्तओं की तुलना में 31 मार्च, 2025 तक लगभग 56.92 मिलियन का सक्रिय सब्बसक्राइबर बेस था। यह संख्या दूरदर्शन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं की संख्या के अलावा है।

27. ऑल इंडिया रेडियो-सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा, 31 मार्च 2024 तक 113 शहरों में 36 एफएम रेडियो प्रसारणकर्ता द्वारा 388 निजी एफएम रेडियो स्टेशन चालू हैं। 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही के दौरान, तीन निजी एफएम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा संचालित छह चैनल, अर्थात् (i) डिजिटल रेडियो

(दिल्ली) ब्रॉडकास्टिंग लिमिटेड (3 चैनल), (ii) डिजिटल रेडियो (मुंबई) ब्रॉडकास्टिंग लिमिटेड (2 चैनल) और (iii) डिजिटल रेडियो (कोलकाता) ब्रॉडकास्टिंग लिमिटेड (1 चैनल) का दक्षिण एशिया एफएम लिमिटेड में विलय कर दिया गया है। अब, 31 मार्च 2025 तक, 33 निजी एफएम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा संचालित 113 शहरों में 388 परिचालन निजी एफएम रेडियो चैनल हैं।

28. 31 मार्च 2024 तक 494 सामुदायिक रेडियो स्टेशनों की तुलना में 31 मार्च 2025 को 531 सामुदायिक रेडियो स्टेशन चालू थे।

# रिपोर्ट का सारांश

| 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार डाटा | |
|---|---|
| **दूरसंचार उपभोक्ता (वायरलैस+वायरलाइन)** | |
| कुल उपभोक्ताओं की संख्या | 1,200.80 मिलियन |
| पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन | 0.13% |
| शहरी उपभोक्ताओं की संख्या | 666.11 मिलियन |
| ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या | 534.69 मिलियन |
| निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी | 91.47% |
| सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी | 8.53% |
| कुल दूरसंचार घनत्व | 85.04% |
| शहरी दूरसंचार घनत्व | 131.45% |
| ग्रामीण दूरसंचार घनत्व | 59.06% |
| **वायरलैस उपभोक्ता** | |
| वायरलैस (मोबाइल) उपभोक्ताओं की संख्या | 1,156.99 मिलियन |
| वायरलैस (5जी एफडब्ल्यूए) उपभोक्ताओं की संख्या | 6.77 मिलियन |
| कुल वायरलैस (मोबाइल+5जी एफडब्ल्यूए) उपभोक्ताओं की संख्या | 1,163.76 मिलियन |
| पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन | -0.15% |
| शहरी उपभोक्ताओं की संख्या | 632.57 मिलियन |
| ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या | 531.18 मिलियन |
| निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी | 92.09% |
| सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी | 7.91% |
| दूरसंचार घनत्व | 82.42% |
| शहरी दूरसंचार घनत्व | 124.83% |
| ग्रामीण दूरसंचार घनत्व | 58.67% |
| पब्लिक मोबाईल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या | 67,023 |
| वीसैट की कुल संख्या | 2,43,663 |
| **वायरलाइन उपभोक्ता** | |
| कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या | 37.04 मिलियन |
| पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन | 9.62% |
| शहरी उपभोक्ताओं की संख्या | 33.54 मिलियन |
| ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या | 3.50 मिलियन |
| निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी | 72.13% |
| सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी | 27.87% |
| दूरसंचार घनत्व | 2.62% |
| ग्रामीण दूरसंचार घनत्व | 0.39% |
| शहरी दूरसंचार घनत्व | 6.62% |
| पब्लिक कॉल आफिसों की संख्या (पीसीओ) | 10,185 |

| | |
|---|---|
| **इंटरनेट/ब्राडबैंड उपभोक्ता** | |
| कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 969.10 मिलियन |
| पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन | 1.54% |
| ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या | 944.12 मिलियन |
| नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या | 24.98 मिलियन |
| वायरड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 41.41 मिलियन |
| वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 927.70 मिलियन |
| शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 561.42 मिलियन |
| ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 407.69 मिलियन |
| प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 68.63 |
| प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 110.79 |
| प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 45.03 |
| **दूरसंचार वित्तीय आंकडे (वर्ष 2024-25 के लिए)** | |
| सकल राजस्व (जीआर) | 3,72,097 करोड़ रुपए |
| पिछले वर्ष की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन | 10.72% |
| लागू सकल राजस्व (एपीजीआर) | 3,56,283 करोड़ रुपए |
| पिछले वर्ष की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन | 10.26% |
| समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) | 3,03,025 करोड़ रुपए |
| पिछले वर्ष की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन | 12.02% |
| एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी | 3.56% |
| **प्रसारण और केबल सेवाएं** | |
| केवल अपलिकिंग/केवल डाऊनलिकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या | 918 |
| पे-टीवी चैनलों की संख्या | 333 |
| निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या (आकाशवाणी के अलावा) | 388 |
| एक्टिव डीटीएच पे-उपभोक्ताओं की संख्या | 56.62 मिलियन |
| चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या | 531 |
| पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या | 4 |
| **राजस्व और उपयोग मानदण्ड (वर्ष 2024-25 के लिए)** | |
| वायरलैस सेवा हेतु मासिक एआरपीयू | 174.46 रुपए |
| पिछले वर्ष की तुलना में एआरपीयू में परिवर्तन | 16.89% |
| प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू) - वायरलैस | 1000 मिनट |
| वायरलैस सेवाओं के लिए प्रति डेटा सब्सक्राइबर प्रति माह वायरलैस डेटा के लिए औसत राजस्व | 231.46 रुपए |
| प्रति उपभोक्ता प्रति जीबी वायरलैस डेटा औसत राजस्व प्राप्ति | 8.97 रुपए |
| प्रति वायरलेस डेटा सब्सक्राइबर प्रति माह औसत वायरलेस डेटा उपयोग | 21.53 जीबी |